UNITED NATIONS
INFORMATION CENTRE
FOR INDIA AND BHUTAN

मानवाधिकार दिवस

10 दिसम्बर, 2013

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की मून का संदेश

मानवाधिकार दिवस, महासभा द्वारा ऐतिहासिक *सार्वभौम मानवाधिकार घोषणा* के अनुमोदन की वर्षगाँठ पर मनाया जाता है। इस वर्ष सबके लिए अधिकारों को साकार करने के संघर्ष में प्रगति के एक साहसिक कदम को 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी दिन मानवाधिकारों के बारे में विश्व सम्मेलन ने **विएना घोषणा और कार्रवाई योजना** का अनुमोदन किया था। 800 से अधिक गैर–सरकारी संगठनों, राष्ट्रीय संस्थाओं, संधि संगठनों और विद्वानों की उपस्थिति में सदस्य देशों ने एक दूरगामी संकल्प अपनाया और मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की स्थापना कर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का बहुत पुराना सपना साकार कर दिया।

मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय के दो दशक के कार्यकाल में पाँच समर्पित उच्चायुक्तों ने दुनिया भर में मानवाधिकारों की दिशा में प्रगति के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों का नेतृत्व किया है। यह कार्यालय विविध नियमों और तंत्रों के जरिए पीड़ितों की हिमायत करता है, सरकारों पर अपने दायित्व पूरे करने के लिए दबाव डालता है, मानवाधिकार विशेषज्ञों और संस्थाओं को समर्थन देता है और 61 देशों में अपनी उपस्थिति के माध्यम से सरकारों को अपनी मानवाधिकार क्षमताएं विकसित करने में मदद देता है।

मानवाधिकारों का संवर्धन संयुक्त राष्ट्र का एक मूल उद्देश्य है और वह अपनी स्थापना के समय से ही इस दिशा में अग्रसर है। तब भी और आज भी सफलता की कुंजी सदस्य राष्ट्रों के राजनीतिक संकल्प में निहित है। मानवाधिकारों के संरक्षण, राष्ट्रीय स्तर पर उनके उल्लंघन की रोकथाम और अन्य देशों में दायित्वों का निर्वहन न होने पर दृढ़ता से खड़े होने का सबसे पहला दायित्व सदस्य देशों की सरकारों का है। ऐसा कर पाना हमेशा आसान नहीं होता। पिछले 20 वर्ष में हमने नरसंहार और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकारों तथा मानवीय कानूनों के अनेक अन्य हृदय विदारक तथा व्यापक उल्लंघन देखे हैं।

संयुक्त राष्ट्र तंत्र आसन्न आपदाओं को कैसे रोके और उनसे कैसे निपटे, इसी क्षमता में सुधार के लिए ***राइट्स अपफ्रंट एक्शन प्लान*** नाम से नई पहल की गई है। इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संयुक्त राष्ट्र तंत्र और सभी कर्मचारी संगठन के सामूहिक दायित्वों में मानवाधिकारों के केंद्रीय स्थान को समझें। उससे भी अधिक, यह योजना व्यापक दुरुपयोगों से निपटने और अधिकारों पर आधारित प्रारम्भ में ही चेतावनी और कार्रवाई पर ज़ोर देकर ऐसी स्थितियाँ उत्पन्न ही न होने देने के लिए हमारी क्षमता बढ़ाना चाहती है।

मानवाधिकार दिवस पर मैं सभी देशों से आग्रह करता हूँ कि वे **विएना घोषणा** में किए गए वायदे पूरे करें। मैं मानवाधिकारों के उल्लंघन की स्थिति का सामना सतर्कता और साहस से करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सचिवालय, कोषों और कार्यक्रमों का संकल्प दोहराता हूँ। अंत में मैं अपने युग में मानवाधिकारों के एक महानतम प्रतीक नेल्सन मंडेला को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिनके जाने से सारा विश्व शोक में डूब गया है, किंतु मानवीय गरिमा, समानता, न्याय और करुणा के प्रति जिनकी आजीवन निष्ठा सबके लिए, सभी मानवाधिकारों से सम्पन्न विश्व की रचना के हमारे प्रयासों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

55 Lodi Estate, New Delhi 110 003, India
☎ + 91 11 24623439, 46532333 *Fax:* + 91 11 24620293
unicindia@unicindia.org, www.unic.org.in
UNICNewDelhi, @UNICDELHI
UN-INDIA CONNECT